सांध्य दैनिक
4PM

हमारे जीवन की ज्यादातर समस्याएं हमारे बोलने के लहजे से पैदा होती हैं। इससे मतलब नहीं है कि हम क्या कहते हैं, इससे मतलब है कि हम कैसे कहते हैं।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 168 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 25 जुलाई, 2023

रोहित-यशस्वी ने लगाई कीर्तिमानों... 7 | महाराष्ट्र में अभी बाकी है सियासी... 3 | भाजपा सरकार ने मप्र में बढ़ा दी... 2

पीएम के बयान के बाद मचा सियासी घमासान

इंडिया की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करने पर भड़की कांग्रेस

» राहुल बोले- किसी भी नाम से बुलाएं हम करेंगे भारत का पुनर्निर्माण

» मणिपुर को लेकर विपक्ष ने संसद में किया हंगामा

» मानसून सत्र का चौथा दिन भी ठप

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया पर मोदी के बयान ईस्ट इंडिया कंपनी में भी इंडिया है और इंडियन मुजाहिदीन में भी इंडियन है , सिर्फ नाम रख लेने से क्या होता है के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा है कि आप हमें जो चाहें बुलाएं लेकिन हम इंडिया हैं। दरअसल, राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि आप हमें जो चाहें बुलाएं, पीएम मोदी, लेकिन हम इंडिया हैं। हम मणिपुर को ठीक करने और हर महिला और बच्चे के आंसू पोंछने में मदद करेंगे। हम मणिपुर में भारत के विचार का पुनर्निर्माण करेंगे। हम वहां के सभी लोगों के लिए प्यार और शांति वापस लाएंगे।

मानसून सत्र का आज चौथा दिन है। दोनों सदनों में लगातार मणिपुर हिंसा को लेकर बवाल जारी है। सरकार के आश्वासन के बावजूद विपक्षी गठबंधन दोनों सदनों में हंगामा-नारेबाजी कर रहे हैं। मणिपुर में जारी हिंसा पर चर्चा कराने को लेकर संसद के बाहर और भीतर सरकार तथा विपक्ष के बीच जारी संग्राम के चलते लगातार तीसरे दिन संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई थी। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मैं चर्चा का इच्छुक हूं, लेकिन पता नहीं विपक्ष ऐसा क्यों नहीं चाहता। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को सोमवार को सदन से पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद वह पूरी रात संसद परिसर में धरने पर बैठे रहे। राज्यसभा में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। इसी बीच कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा भी दो बजे तक के लिए स्थगित है। इससे पहले विपक्षी दलों ने फैसला किया है कि वे दोनों सदनों में मणिपुर पर पीएम के बयान की मांग जारी रखेंगे।

सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है विपक्ष

विपक्षी दल केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकती है। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों की बैठक में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर चर्चा हुई है। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (आईएनडीआईए) ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर चर्चा की है। समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के नेताओं ने बैठक में फैसला लिया है कि वे दोनों सदनों में मणिपुर पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग जारी रखेंगे। बता दें, भाजपा की लोकसभा में फिलहाल 301 सीटें हैं। जबकि कांग्रेस की 50 सीटें हैं। 2014 में भाजपा ने 282 सीटों पर जीत हासिल की थी। भाजपा की सहयोगी दलों को मिला लें तो ये आंकड़ा बढ़कर 336 हो गया था। इसके बाद 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने एक और बड़ी जीत हासिल की। 2019 में भाजपा को 303 सीटों पर जीत मिली थी। एनडीए के खाते में कुल 352 सीटें आईं थीं। वहीं, यूपीए को केवल 91 सीटों से संतोष करना पड़ा था। उधर राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि कल आप सांसद संजय सिंह के निलंबन प्रस्ताव पारित होने से पहले, मैंने आपसे इसके लिए मतदान कराने का अनुरोध किया था। मैं अभी संजय सिंह के निलंबन पर मत विभाजन चाहता हूं।

मणिपुर छोड़ ईस्ट इंडिया पर बोल रहे पीएम : खरगे

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आज मणिपुर जल रहा है, वहां दुष्कर्म हो रहे हैं। मणिपुर की बात हम कर रहे हैं और यहां प्रधानमंत्री ईस्ट इंडिया की बात कर रहे हैं। मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर ने कह कि हम (विपक्षी दल) मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन सरकार पीएम को संसद में भेजने से डरती है। वहीं, भाजपा के सांसदों ने सदन में मणिपुर हिंसा पर चर्चा करने के लिए सहमति जताई है।

पीएम मोदी के भाषणों में ही मिलेगा जवाब : जया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर सपा सांसद जया बच्चन ने कहा, मैं प्रधानमंत्री के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। मैं उनके कुर्सी की इज्जत करती हूं। उनकी पार्टी द्वारा और उनके द्वारा जितने भी भाषण दिए गए हैं 2014 से लेकर आज तक उसमें सभी जवाब मिल जाएंगे।

संसद भवन पहुंचीं सोनिया गांधी

कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन और लोकसभा सांसद सोनिया गांधी संसद भवन पहुंचीं। मालूम हो कि मणिपुर हिंसा को लेकर आज भी विपक्षी दल अपनी मांग पर कायम रहेंगे। विपक्षी दल मणिपुर हिंसा पर पीएम मोदी के बयान की मांग कर रहे हैं।

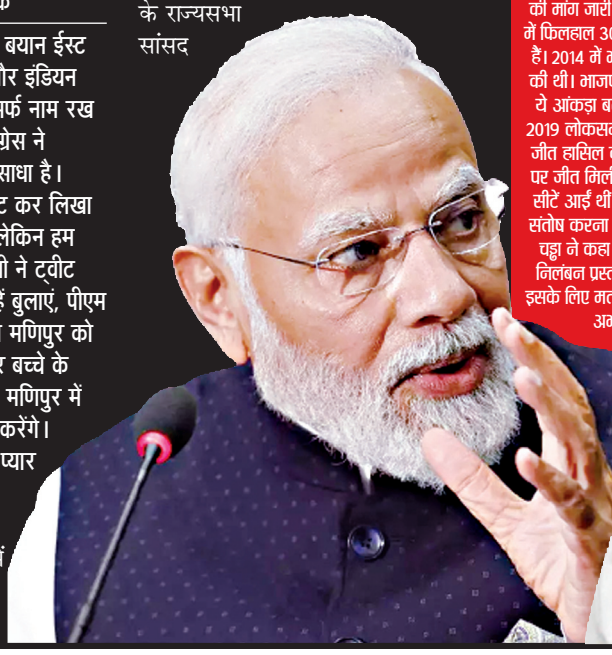

मेघालय में हालात बिगड़े, दो भाजपा नेताओं समेत 18 गिरफ्तार

» सीएम कार्यालय पर हमले का आरोप

4पीएम न्यूज नेटवर्क

तुरा। मेघालय के पश्चिमी तुरा शहर में मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमले के आरोप में पुलिस ने 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो महिला भाजपा पदाधिकारी भी शामिल हैं। बता दें कि सीएम कार्यालय पर हमले में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। सीएम कार्यालय पर हमले के लिए उकसाने का आरोप दो टीएमसी नेताओं पर लगा है, जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। बता दें कि अचिक कॉन्सियस हॉलिस्टिकली इंटीग्रेटेड क्रिमा और गारो हिल्स स्टेट मूवमेंट कमेटी के नेता तुरा को राज्य की शीतकालीन राजधानी बनाने की मांग कर रहे हैं।

ऐसे में सोमवार शाम में मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करने पहुंचे थे। जब सीएम कार्यालय में मुख्यमंत्री प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रहे थे, इसी दौरान लोगों की भीड़ ने कार्यालय पर हमला कर दिया था। इस हमले में मुख्यमंत्री को कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और बड़ी मुश्किल से हालात पर काबू पाया। गुरुवार को पुलिस ने बताया कि सीएम ऑफिस पर हमले के आरोप में 18 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें भाजपा महिला मोर्चा की दो नेता, बेलिना एम मराक और दिलचे च मराक भी शामिल हैं। भीड़ को उकसाने का आरोप टीएमसी के दो नेताओं पर लगा है, जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

स्कूल-कॉलेज बंद, कर्फ्यू

भीड़ के हमले में घायल हुए पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए मुख्यमंत्री ने 50-50 हजार की सहायता राशि देने का एलान किया है। हालात को देखते हुए जिले के डिप्टी कमिश्नर जगदीश चेलानी ने तुरा शहर में रात के समय कर्फ्यू लगा दिया और कानून व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। एहतियातन तुरा शहर में शिक्षण संस्थान भी मंगलवार को बंद रखे गए हैं। हालांकि बाजार खुले हैं।

भाजपा सरकार ने मप्र में बढ़ा दी गरीबी व बेकारी : अखिलेश यादव

एमपी में ताल ठोंकेगी सपा, बोले- यूपी में विकास हो गया है ठप

» सपा अध्यक्ष बोले- कुछ लोग 2000 के नोटों की तरह चले गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। हम पूरी ताकत के साथ चुनाव में उतरेंगे। आपसी तालमेल और एकजुटता से वहां चुनाव में अच्छे परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 में समाजवादी पार्टी के सात विधायक जीत दर्ज करा चुके हैं। इस बार इससे अधिक समाजवादी विधायक जीतकर आएंगे। अखिलेश यादव सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर मध्य प्रदेश के समाजवादी पार्टी के नेताओं के बीच अपनी बात रख रहे थे। बैठक में मध्य प्रदेश के संभावित विधानसभा प्रत्याशियों के नामों पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर उन्होंने कहा मध्य प्रदेश में भी उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार के समय हुए विकास कार्यों की चर्चा होती है। यहां की उपलब्धियों का मध्य प्रदेश की जनता के बीच और प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश में आदिवासियों की बड़ी संख्या है, हमें उनके बीच अपनी पैठ बनानी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने विकास कार्यों को ठप्प कर दिया है। मध्य प्रदेश में भी घोर गरीबी, बेकारी और अन्याय-अत्याचार है। किसानों के साथ भाजपा का रवैया उपेक्षापूर्ण है।

मध्य प्रदेश में भी भ्रष्टाचार की गंगा बह रही है। मध्य प्रदेश से आए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि इस बार मध्य प्रदेश में समाजवादी विधायक बड़ी संख्या में जीत कर आएंगे।

अखिलेश यादव ने फेसबुक पोस्ट और ट्वीट के जरिए उन नेताओं पर तंज किया जो हाल ही में सपा को छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए। सोमवार की दोपहर को किए अपने किए ट्वीट में उन्होंने लिखा कि कुछ लोग चले गए 2000 की नोट की तरह। इस ट्वीट आने के बाद सोशल मीडिया में कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कुछ उनके पक्ष में रीट्वीट हुए तो कुछ ने उन्हें खरी-खोटी सुनाई। ऐसा माना जा रहा है कि अखिलेश का यह ट्वीट उन बीजेपी नेताओं पर किया गया तंज है जो पिछले कुछ दिनों से बारी-बारी करके सपा छोड़कर बीजेपी का दामन थाम रहे हैं। सोमवार को सपा सरकार में मंत्री रहे साहब सिंह सैनी ने अपने समर्थकों के साथ बीजेपी ज्वाइन कर ली। सैनी के अलावा कुछ पूर्व सपा विधायक भी पाला बदलकर उस खेमे से इस खेमे में आ गए हैं। कुछ दिनों पूर्व सपा विधायक दारा सिंह ने पार्टी छोड़ी थी। तब पार्टी प्रवक्ताओं ने इसे विश्वासघात करार दिया था। विधायकों और पूर्व मंत्रियों के अलावा 2022 में सपा के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले ओपी राजभर भी एनडीए का हिस्सा बन चुके हैं।

पीड़ितों से मिलने मिर्जापुर जाएगा सपा प्रतिनिधिमंडल

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार सपा का प्रतिनिधि मण्डल दिनांक बुधवार को मिर्जापुर जाएगा। प्रतिनिधिमंडल अपहरण के एक मामले में गिरफ्तार मिर्जापुर के सपा नेता शैलेश पटेल, उनके भाई और उनके यहां नौकरी करने वाले चार अन्य लोगों के परिजनों से मिलेगा। इसके अलावा लालगंज निवासी नाबालिग किशोरी के साथ गैंगरेप की सही जानकारी एवं पीड़ित परिवार से भी मिलेगा। तेरह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में प्रतापगढ़ विधायक डा. आर के पटेल, संदीप पटेल, कैलाश चौरसिया पूर्व मंत्री, जगदम्बा सिंह पटेल आदि रहेंगे।

सपा करेगी मेजबानी, नवंबर-दिसंबर में जुटेंगे विपक्षी दलों के नेता

इंडिया देगा यूपी से एकता का संदेश

लखनऊ। समावेशी विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता नवंबर-दिसंबर में यूपी में जुटेंगे। लोकसभा चुनाव घोषित होने के कुछ समय पहले सूफी-संतों और गंगा-जमुनी तहजीब की इस धरती से इंडिया के नेता अपना संदेश देंगे। बैठक के लिए शहर का चयन अभी फाइनल नहीं है, लेकिन मेजबानी की जिम्मेदारी समाजवादियों के कंधे पर तय मानी जा रही है। साथ ही निर्णय लिया गया था कि इसकी अधिकांश बैठकें दिल्ली से बाहर होंगी। जुलाई में बंगलुरु में बैठक का आयोजन हुआ और अब अगस्त में मुंबई में जुटना है। इसके लिए अगस्त के दूसरे या तीसरे सप्ताह की कोई तारीख घोषित हो सकती है। इंडिया के रणनीतिकारों का मानना है कि प्रमुख घटक दलों को अपने-अपने प्रभाव वाले राज्यों में मेजबानी का मौका मिलना चाहिए, जिससे स्थानीय मीडिया के जरिये जनता में बेहतर संदेश जाएगा। हर राज्य के लोगों को यह महसूस कराना होगा कि भाजपा गठबंधन अपराजेय नहीं है। धर्मनिरपेक्ष ताकतों की एकजुटता इंडिया को सत्ता तक पहुंचा सकता है। प्रयास है कि इंडिया की अगली बैठकें पश्चिमी बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में पूरी तैयारी के साथ की जाएं। समाजवादी सूत्रों की मानें तो यूपी में इंडिया की बैठक तब होगी, जब लोकसभा चुनाव घोषित होने के आसार दिखने लगेंगे।

सत्ता प्राप्ति का षड्यंत्र रचने में लगे हैं सरकार में बैठे लोग : मलिक

» बोले- गुलामी के समय भी नहीं हुआ ऐसा इतना अत्याचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा है कि सरकार में बैठे लोग जनता को गुमराह करके राज प्राप्त का षड्यंत्र रचने में लगे रहते है। उन्होंने एक बार फिर किसानों की दुर्दशा, पुलवामा हमले समेत अन्य मसलों पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मणिपुर में हो रही हिंसा के मामले में भी केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि उसे देश के लोगों की कोई चिंता नहीं है। पूर्व राज्यपाल ने कहा कि आज मणिपुर जल रहा है। वहां महिलाओं पर ऐसा अत्याचार कभी गुलामी के समय में भी नहीं हुआ था। इसके बावजूद केंद्र सरकार की नींद नहीं खुल रही है, वह मणिपुर को संभालने के बजाय अपनी नाकामी को छुपाने के लिए विपक्षी दलों की कमियां गिनाने में लगी है।

चुनाव आते ही याद आया राजस्थानः लोकेश

» गहलोत के ओएसडी ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा ने कहा कि जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ने तो केंद्रीय जल संसाधन मंत्री होते हुए भी राजस्थान में बीजेपी का राज लाने की शर्त पर पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के लिए 46 हजार करोड़ रुपये देने की बात की। लोकेश शर्मा बोले, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व राजस्थान की जनता को पानी के हक से वंचित रखना चाहता है। उनका ऐसा बर्ताव और पार्टी का ऐसा प्रदर्शन शोभा नहीं देता।

ओएसडी ने कहा कि चुनाव आने वाले हैं, इसलिए भारतीय जनता पार्टी के सांसदों को राजस्थान की याद आ रही है। जबकि प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई हो रही है। पुलिस जल्दी एक्शन ले रही है। लोकेश शर्मा ने ट्विटर पर बीजेपी के आईटी सेल के हेड अमित मालवीय के ट्वीट को कोट ट्वीट करते हुए ये प्रतिक्रिया दी।

पायलट समर्थक राखी गौतम बनीं राजस्थान महिला कांग्रेस की अध्यक्ष

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश कांग्रेस की महासचिव और सवाई माधोपुर की इंचार्ज राखी गौतम को राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। राजस्थान समेत पांच राज्यों में महिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। राखी गौतम साल 2018 के पिछले विधानसभा चुनाव में कोटा दक्षिण से कांग्रेस प्रत्याशी रही हैं, फिर से उनकी सीट पर दावेदारी है। बता दें कि एआईसीसी ने राखी गौतम को राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त कर हाड़ौती समेत प्रदेश भर में विधनसभा चुनाव से पहले महिला जनाधार मजबूत करने की कोशिश की है। राखी गौतम मूल रूप से ब्राह्मण समाज से आती हैं। बता दें कि राखी गौतम को सचिन पायलट समर्थक माना जाता है और इस नियुक्ति को सचिन पायलट की चुप्पी के साथ जोड़कर देखा जा रहा है।

दिग्विजय ने सीएम से की भाजपाइयों की शिकायत

» आदिवासी जमीन पर कब्जा कर खोदी खदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटनी। कटनी के आदिवासी परिवार की जमीन पर खनन कर लाखों रुपये की खनिज संपदा की चोरी करने का मामला सामने आया है। इसे लेकर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सीएम शिवराज सिंह चौहान को चिट्ठी लिखी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोपी परिवार को कटनी जिला भाजपा का पदाधिकारी बताते हुए कहा कि दबाववश पुलिस और प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

दिग्विजय सिंह ने अपनी चिट्ठी पर कटनी दौरे का जिक्र करते हुए कहा की पीडित आदिवासी रतिया कोल के परिवारों से मिलने विजयराघवगढ़ तहसील गया, जहां स्थानीय रहवासियों ने ग्राम कलहेरा निवासी रतिया कोल की प्रताड़ना के बारे में बताया। रतिया कोल की बिचपुरा गांव में खसरा नम्बर 1037/1,2,3 में दो हेक्टेयर जमीन है। इस जमीन पर जिला भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे विश्वनाथ गुप्ता के बेटों ने अतिक्रमण कर लिया है। सरोज मिनरल्स के संचालक राहुल और मुकेश गुप्ता ने रतिया कोल की जमीन पर कब्जा कर लिया। रतिया कोल ने जब जमीन का सीमांकन कराया तो 5 एकड़ जमीन में से एक एकड़ पर अवैध खनन पाया गया। पीड़ित किसान रतिया कोल जब खनन व्यापारी गुप्ता बंधुओं से क्षतिपूर्ति का हर्जाना मांगने गया तो उसे गाली गलौज और अभद्रता करते हुए वहां से भगा दिया गया। बरही पुलिस से लेकर प्रदेश की राजधानी स्थित सभी प्रमुख दफ्तरों में रतिया कोल अर्जी देकर अपनी जमीन से कब्जा हटाने और मुआवजा दिए जाने की मांग कर चुका है। लेकिन किसी भी स्तर पर उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई है। रतिया कोल का आरोप है कि गुप्ता बंधुओं को स्थानीय विधायक सहित सत्ताधारी दल का संरक्षण प्राप्त होने से कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कटनी जिले के आदिवासी किसानों की जमीन पर बेजा कब्जे किए जाने के कई मामले सामने आ रहे हैं।

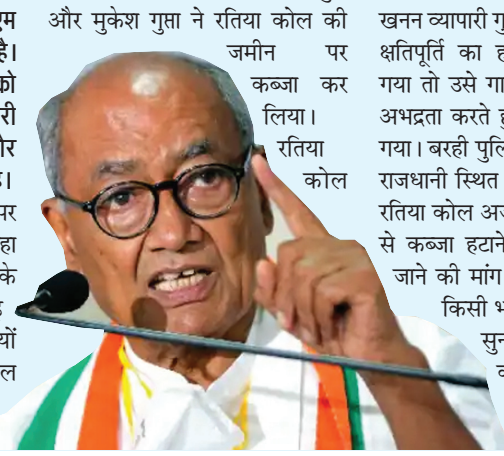

पुलिस तक की गुहार, नहीं हुई सुनवाई

बोले- जो लालची थे बाहर गए, अब केवल निष्ठावान बचे

मप्र में जंग भाजपा व कांग्रेस में : जयवर्धन

राजगढ़। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि, पहले धनबल के आधार पर सत्ता हासिल की और अब धनबल के आधार पर लोगों को सरकारी नौकरी दी जा रही है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए कांग्रेसियों को लेकर कहा कि, जो लालची थे वो भाजपा में शामिल हो चुके है, कांग्रेस में अब केवल निष्ठावान लोग बचे हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव में हमें जनता-जनार्धन का भी पूरा समर्थन मिलेगा। आम आदमी पार्टी को लेकर किए गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी कोई मुद्दा नहीं है और ना ही उनको यहां समर्थन प्राप्त है, मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में सीधी जंग केवल कांग्रेस और भाजपा के बीच रहेगी।

महाराष्ट्र में अभी बाकी है सियासी खेला... हो सकते हैं बड़े उलटफेर

» अजित गुट के आने और प्रमुख मंत्रालयों पर कब्जा जमाने से शिंदे गुट में नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में जारी सियासी घमासान अभी थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। महाराष्ट्र की सियासत हर रोज एक नया रंग दिखा रही है। पहले जहां एनसीपी में टूट हुई और फिर भ्रष्टाचारी बताने वालों को भाजपा सरकार ने अपने में शामिल कर लिया, इससे राज्य की सियासत में भूचाल आ गया। वहीं उसके बाद अजित पवार और उनके साथियों का सरकार में शामिल होना सीएम एकनाथ शिंदे और उनके गुट के लोगों को रास नहीं आया। लेकिन बेचारे कुछ कर नहीं सके। क्योंकि जैसे ही अजित पवार अपने विधायकों के साथ भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल हुए हैं। वैसे ही सीएम एकनाथ शिंदे की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इस बात को अब सीएम एकनाथ शिंदे भी भांप गए हैं। क्योंकि अजित के सरकार में आते ही भाजपा को शिंदे से लालच भी कम हो गया है। और शिंदे गुट पर अयोग्यता की तलवार वैसे भी लटक रही है। यही वजह है कि अजित के शामिल होने के बाद ही शिंदे गुट को पहले विधानसभा अध्यक्ष की ओर से नोटिस पहुंच जाती है। तो वहीं अब तक विधायकों की अयोग्यता के मामले में कोई फैसला न लेने पर अब सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को ही नोटिस दे दिया है।

इस बीच एक लड़ाई जो सरकार में शामिल तीनों दलों भाजपा, शिंदे गुट और अजित पवार गुट के बीच चल रही थी, वो मंत्रियों के विभागों के बंटवारे को लेकर थी। अब उस पर भी विराम लग गया। क्योंकि हाल ही में अजित गुट के मंत्रिपद की शपथ लेने वाले सभी विधायकों को विभागों का बंटवारा हो गया। सबसे बड़ी बात कि यहां भी जीत अजित पवार की ही हुई। क्योंकि अजित पवार को वित्त समेत अपने सारे मन माफिक विभाग मिल गए। जो कि शिंदे गुट नहीं चाहता था। यानी भाजपा ने यहां भी शिंदे गुट पर अजित पवार और उनके गुट को अधिक तरजीह दी। हालांकि, जो विभाग अजित गुट को मिले हैं, वो सभी इससे पहले भाजपा और शिंदे गुट के लोगों के पास ही थे। लेकिन इसमें अधिकतर विभाग भाजपा के पास ही थे। कुल मिलाकर काफी जद्दोजेहद के बाद अंतत: विभागों का बंटवारा हो गया। और एनसीपी के कोटे में सात महत्वपूर्ण मंत्रालय आ गए हैं। जिनमें वो वित्त मंत्रालय भी शामिल है, जिसे लेकर काफी दिनों से रस्साकशी चल रही थी। इसके अलावा एनसीपी को योजना, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, सहकारी समितियां, महिला और बाल विकास, कृषि, राहत और पुनर्वास, चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय भी मिल गया है। एनसीपी नेताओं को जो विभाग मिले हैं। उनमें वित्त अजित पवार को, कृषि धनंजय मुंडे को, सहकार दिलीप वलसे पाटिल को, चिकित्सा एवं शिक्षा हसन मुश्रीफ को, अन्न एवं नागरिक आपूर्ति छगन भुजबल को, खेल और युवा कल्याण संजय बनसोडे, राहत एवं पुनर्वास अनिल पाटिल और महिला एवं बाल कल्याण अदिति तटकरे को दिया गया है।

अजित पवार को मिला मन माफिक वित्त मंत्रालय

सबसे बड़ी बात कि अजित गुट के लोगों को जो विभाग मिले हैं, उनमें से अधिकतर पहले भाजपा के खेमे में थे। हालांकि, नुकसान शिंदे गुट का ये हुआ है कि शिंदे के लोग नहीं चाहते थे कि अजित खेमे को इतने अहम मंत्रालय दिए जाएं। शिंदे के पास अजित और भाजपा की हर बात को मानने के अलावा दूसरा कोई विकल्प ही नहीं था। विभाग बंटवारे में सबसे ज्यादा खींचतान वित्त और सहकारिता मंत्रालय को लेकर ही चल रही थी। लेकिन अंत में जीत अजित पवार की हुई। वित्त मंत्रालय को लेकर इतनी खींचतान इसलिए भी मची थी क्योंकि दरअसल राज्यों में मुख्यमंत्री के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद वित्त मंत्री का ही माना जाता है। यह पूरी राजनीति शिवसेना के शिंदे गुट को पहले भी गवारा नहीं थी और आगे भी नहीं होगी। लेकिन मरता क्या न करता। क्योंकि शिंदे गुट के पास अब चुपचाप सब कुछ सहने और सहते जाने के सिवाय दूसरा कोई चारा भी नहीं है। क्योंकि आखिर जिस सत्ता की खातिर शिंदे गुट शिवसेना से टूटे थे। अब उस सत्ता को छोड़कर जाएंगे भी कहां? तो वहीं दूसरी ओर अजित पवार का वित्त और सहकारिता मंत्रालय के लिए खींचतान करने का भी काफी बड़ा कारण था। दरअसल, अजित पवार इसलिए इन दो मंत्रालयों के लिए काफी जद्दोजेहद कर रहे थे, क्योंकि दर्जन भर से अधिक एनसीपी नेता सहकारी या निजी चीनी कारखाने चला रहे हैं। साथ ही उनका सहकारी बैंकों पर भी नियंत्रण है। उन्हें दोनों क्षेत्रों में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अब उनके पास सहकारी मंत्रालय होगा तो उनकी समस्याओं का समाधान तेजी से हो सकेगा।

महाराष्ट्र में फिर हो सकता है सियासी उलटफेर

वहीं संभावना ये भी है कि महाराष्ट्र में आगे कोई और बड़ा राजनीतिक उलटफेर हो। जिसमें इस बात की भी पूरी संभावना है कि एकनाथ शिंदे की मुख्यमंत्री की कुर्सी भी छिन जाए। क्योंकि इस बात में भी कोई अचरज नहीं होगा कि महाराष्ट्र के अगले किसी विस्तार में अजित पवार या फडणवीस में से कोई एक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा नजर आए। क्योंकि अजित पवार तो अपनी पार्टी मीटिंग में कह भी चुके हैं कि उनका उद्देश्य मुख्यमंत्री बनना है और वो यह कर के भी दिखाएंगे। हालांकि भाजपा यह भी अच्छी तरह से जानती है कि जो अजित पवार अपने सगे चाचा और राजनीतिक गुरु जिन्होंने अजित पवार को राजनीति की एबीसीडी पढ़ाई उन शरद पवार के न हुए, वे भाजपा के कैसे होंगे। खैर अब जब महाराष्ट्र में विभागों का बंटवारा भी हो चुका है और सभी मालदार विभाग अजित पवार गुट को मिल चुके हैं। तो अब बस सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि सीएम एकनाथ शिंदे और उनके विधायकों का भविष्य क्या होता है? तो वहीं आने वाले वक्त में क्या महाराष्ट्र में एक और सियासी उलटफेर देखने को मिलेगा, जब राज्य के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अजित पवार या देवेंद्र फडणवीस में से कोई एक नजर आएगा।

महाराष्ट्र

अजित के बढ़ते कद से शिंदे गुट में मची बेचैनी

एनसीपी के सरकार में आने से और अब इतने महत्वपूर्ण विभागों पर कब्जा जमाने से एकनाथ शिंदे और उनके साथी विधायकों को ही नुकसान हो रहा है। ये तो जगजाहिर है कि अजित पवार और उनके साथियों के सरकार में आते ही शिंदे गुट के कई विधायक व नेता नाराज चल रहे हैं। सबसे बड़ी दिक्कत एकनाथ शिंदे और उनके गुट को अजित पवार के आने से हो रही है, वो ये है कि अब सरकार में उनकी वैल्यू कोई खास नहीं रह गई। क्योंकि अब अगर शिंदे गुट के 16 विधायक अयोग्य घोषित भी हो जाते हैं। फिर भी सरकार पर कोई दिक्कत नहीं आएगी। क्योंकि दावे के मुताबिक अजित के साथ 40-42 विधायक हैं। ऐसे में अगर शिंदे चले भी जाते हैं तो भी सरकार चलती रहेगी। साथ ही अजित पवार के आने से एकनाथ शिंदे की सीएम कुर्सी को भी दीमक लगनी शुरू हो गई है। क्योंकि ये तो जगजाहिर है कि एकनाथ शिंदे को सीएम की कुर्सी भाजपा ने मजबूरी में दी थी। क्योंकि तब सरकार बनाने के लिए उसके पास दूसरा कोई चारा नहीं था। और शिंदे शिवसेना से आए भी मुख्यमंत्री बनने की शर्त पर ही थे। लेकिन अब जब अजित पवार अपने साथ 40-42 विधायक होने का दावा करने के साथ सरकार में शामिल हो गए हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

लोकतंत्र पर एक बार फिर 'निलंबन' का आघात

“ ये सब लोकतंत्र की हालत पर आघात और विपक्षी की आवाज को दबाने के लिए ही देश की सरकार द्वारा किया जा रहा है। कल एक बार फिर विपक्ष की आवाज पर एक गहरा आघात किया गया। दरअसल, कल जब दोनों सदनों में संसद की कार्यवाही शुरू हुई तो पूरा विपक्ष एक सुर में मणिपुर हिंसा को लेकर सरकार से चर्चा करने और इस पूरे मामले पर पीएम मोदी के सदन में जवाब देने की मांग करने लगा।

पिछले 9 सालों में देश के अंदर लोकतंत्र की हालत क्या है और विपक्ष के साथ सरकार किस तरह का व्यवहार कर रही है, ये किसी से भी छिपा नहीं है। फिर वो चाहे राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता जाने का मामला हो या फिर विपक्षी नेताओं पर ईडी, सीबीआई व इनकम टैक्स जैसी सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल करना। ये सब लोकतंत्र की हालत पर आघात और विपक्षी की आवाज को दबाने के लिए ही देश की सरकार द्वारा किया जा रहा है। कल एक बार फिर विपक्ष की आवाज पर एक गहरा आघात किया गया। दरअसल, कल जब दोनों सदनों में संसद की कार्यवाही शुरू हुई तो पूरा विपक्ष एक सुर में मणिपुर हिंसा को लेकर सरकार से चर्चा करने और मामले पर पीएम मोदी के सदन में जवाब देने की मांग करने लगा। ये हंगामा संसद को दोनों सदनों यानी कि लोकसभा और राज्यसभा में हो रहा था। इस बीच आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी इसी मसले पर चर्चा और पीएम मोदी के जवाब देने की मांग कर रहे थे।

भारी हंगामे के बीच सभापति ने राज्यसभा में प्रश्नकाल शुरू कराया। प्रश्नकाल के अभी चार उत्तर ही दिए जा सके थे कि मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर संजय सिंह नारेबाजी करते हुए सभापति के आसन के समीप जा पहुंचे। संजय सिंह लगातार मणिपुर हिंसा पर चर्चा कराए जाने की मांग करते रहे। बस फिर क्या था लगातार विपक्ष की मांग और आक्रामक तेवरों को देखते हुए राज्यसभा के सभापति व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संजय सिंह को पूरे सत्र के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया। अब पूरे मानसून सत्र में संजय सिंह राज्यसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। और ऐसा सिर्फ इसलिए क्योंकि वो सरकार से देश के ज्वलंत मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे थे और देश के प्रधानमंत्री से उस मुद्दे पर जवाब देने की मांग कर रहे थे। संजय सिंह के निलंबन ने एक बार फिर सबके जेहन में राहुल गांधी की सदस्यता जाने की यादें ताजा कर दीं। एक बार फिर ये साबित हुआ कि भाजपा को सच सुनना और उससे सवाल करना बिल्कुल रास नहीं आता। इसीलिए जब भी कोई सत्ता से सवाल करेगा या पीएम मोदी से सवाल करेगा तो सरकार जवाब देने की बजाय सवाल करने वाले का ही मुंह बंद कर देगी। ये हाल है दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में। जहां हर किसी को अपनी बात कहने, सत्ता से सवाल करने का अधिकार है। लेकिन पिछले 9 सालों में ये अधिकार आए दिन धुंधला होता जा रहा है। क्योंकि देश की सरकार अब अपने ऊपर सवाल करने वालों का मुंह बंद करने में लगी है। फिर वो सवाल चाहे संसद में किया गया हो या फिर सड़क पर। लेकिन शायद सरकार ये भूल जाते हैं कि संसद से किसी को निकालकर या उसको निलंबित कर आप उसकी आवाज को नहीं दबा सकते। न ही लोगों की आवाज को दबाकर आप सच को बदल सकते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कल्पनाशील नौकरशाही में है समाधान

उमेश चतुर्वेदी

प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का वश नहीं। लेकिन इन आपदाओं से जुड़ी कुछ घटनाएं और सामान्य हादसे ऐसे होते हैं, जिन पर काबू पाया जा सकता था। हाल ही में घटी कुछ घटनाओं को इन्हीं श्रेणियों में रखा जा सकता है। इन घटनाओं ने देश-समाज को विचलित कर दिया। पहली घटना, मेरठ से दिल्ली को जोड़ने वाले एक्सप्रेस-वे पर हुई दुर्घटना, जिसमें गलत दिशा से आयी एक बस से कार की आमने-सामने टक्कर हुई, जिसमें एक हंसता-खेलता परिवार गम और आंसुओं के समंदर में डूब गया। इसके कुछ ही दिन पहले हिमाचल प्रदेश बाढ़ में डूब रहा था। मंडी जिले में तो सड़कों पर मलबे की बाढ़ आ गई। इन घटनाओं में पहली नजर में कोई समानता नजर नहीं आती। एक सड़क हादसा है तो दूसरी प्राकृतिक आपदा है। लेकिन दोनों में समानता इस लिहाज से है कि इनसे बचा जा सकता था या इनसे होने वाले नुकसान को कम से कम किया जा सकता था।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में राजनीतिक तंत्र होता है। लोगों के मत से चुनकर आने की वजह से उन पर सवाल होना भी चाहिए। हमने जिस तरह का नैरेटिव विकसित किया है, उसमें मोहल्ले की गड़बड़ी से लेकर राष्ट्रीय समस्या के लिए सिर्फ राजनीतिक तंत्र ही जिम्मेदार माना जाता है। लेकिन क्या सिर्फ राजनीतिक तंत्र ही इसके लिए जिम्मेदार है? क्या इसके लिए व्यवस्था और नौकरशाही जवाबदेह नहीं है? नौकरशाही पर सबसे वैज्ञानिक और स्वीकार्य अध्ययन जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर का माना जाता है। इस अध्ययन के मुताबिक, लोकतांत्रिक व्यवस्था की नौकरशाही नियमों और उसकी प्रक्रिया को ही अपना लक्ष्य मान लेती है। दफ्तरी सोच की वजह से यह तंत्र एक तरह से कल्पनाहीन विशेषज्ञों का समूह विकसित करने लगता है। चाहे मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा हो या दिल्ली के डूब जाने की कहानी या फिर ऐसी ही कोई और घटना, हर घटना या हादसे का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि हमारा व्यवस्था तंत्र भी कल्पनाहीन होता जा रहा है। मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हुई घटना महज हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही भी है।

दिल्ली अगर डूबी है, यहां की सड़कें अगर धंसी हैं, अगर मंडी की गलियों में मलबा बह रहा है, कुछ साल पहले जयपुर की सड़कें अगर मलबे से डूब गई थीं, तो इसके मूल में भारतीय तंत्र की कल्पना और

अनुमानहीनता की कमी ज्यादा जिम्मेदार रही है। तंत्र हादसों के बाद चेतता है। वह अनुमान लगाकर उन्हें रोकने के लिए जरूरी कदम नहीं उठा पाता। पुरानी पीढ़ी के अनुभवी लोग कहते रहे हैं कि आजादी के पहले की नौकरशाही ज्यादा कल्पनाशील थी। वह अपनी हर योजना भविष्य, भावी अनुमानों और उस पर आधारित परिणामों को ध्यान में रख बनाती थी। आईसीएस यानी इंपीरियल सिविल सर्विस ही आज की भारतीय नौकरशाही की मूल है। लेकिन लगता है कि उसने अपने पूर्ववर्ती तंत्र का यह गुण आत्मसात? नहीं किया। साल 1922 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड लॉयड जॉर्ज ने तत्कालीन ब्रिटिश नौकरशाही को ब्रिटिश राज का स्टील फ्रेम बताया था। तब की नौकरशाही ने ब्रिटिश सरकार को बचाने के लिए स्टील फ्रेम की तरह काम तो किया, अपनी कल्पनाशीलता की टक्कर महज हादसा नहीं थी, बल्कि वह प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा रही। एक्सप्रेस-वे पर आठ किलोमीटर तक कोई बस कैसे गलत दिशा में दौड़ती रह सकती है? इसका अनुमान तंत्र को होना चाहिए और उसे रोकने का इंतजाम भी उसे ही करना चाहिए।

देशभर की ट्रैफिक पुलिस सिर्फ दंडात्मक कार्रवाई में जुटी रहती है। ताक में रहती है कि कोई ट्रैफिक नियम तोड़े, ताकि वह उसे पकड़ कर खजाने को भर सके। जबकि होना चाहिए कि वह ट्रैफिक को सही तरह से आगे बढ़ाती रहे। नगर निगमों के अधिकारियों की कार्यप्रणाली देखिए। गलियां अतिक्रमण से संकरी होती रहें। गलत तरीके से निर्माण होता रहे, ऐसे मामलों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की बजाय निगम का तंत्र अपनी जेब भरता और उदासीन बना रहता है।

अवसरवादिता का शिकार होने की नियति

विश्वनाथ सचदेव

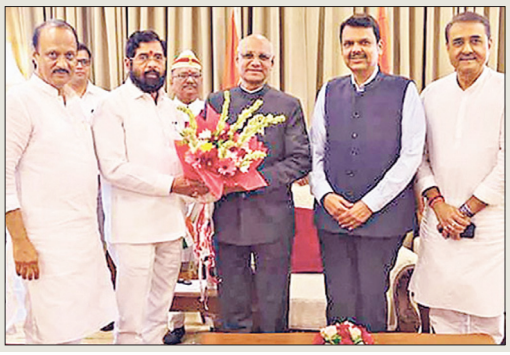

हमारे समय के शीर्ष व्यंग्यकारों में से एक हरिशंकर परसाई का एक बहुचर्चित व्यंग्य है- प्रजावादी समाजवादी। इस लेख में उन्होंने दशकों पहले राजनीति के दलबदलू का एक चित्र खींचा था और आश्चर्य किया था इस बात पर कि दक्षिण और उत्तरी ध्रुव जैसी बात करने वाले सत्ता के लिए कैसे एक-दूसरे से मिल लेते हैं? कैसे बड़ी आसानी से धुर-विरोधी सिद्धांतों-नीतियों की बात करने वाले बिना किसी संकोच के एक-दूसरे के अपने हो जाते हैं। परसाई के उस आलेख की शुरुआत एक ऐसे ही राजनेता के आत्मालाप से होती है, जो जयप्रकाश नारायण के चित्र के सामने खड़ा हो रो रहा था, प्रलाप कर रहा था। पूछने पर वह बताता है कि प्रलाप का यह कार्यक्रम रोज चलता है, बस आधार बदल जाता है। कभी उसका रोना होता है जयप्रकाश नारायण के सामने, कभी राजाजी के सामने और कभी गुरु गोलवलकर के सामने। उसके कमरे में देश के अलग-अलग दलों के नेताओं की तस्वीरें टंगी थीं।

नेहरू के चित्र के सामने खड़ा होकर वह प्रलाप करता, 'अवाडी कांग्रेस में तुमने हमारा समाजवाद ही छीन लिया। 1947 में ही कह देते तो हम कोई और पार्टी देख लेते। जनसंघ में ही चले जाते।' समाजवाद और जनसंघ के बेमेल समझौते के बचाव में उनका तर्क था- 'यह शब्द पुराने पड़ गये हैं। पार्टी का कोई नाम तो होना चाहिए, इसलिए हमने यह नाम रख लिया। मूल मंतव्य है सत्ता हासिल करना' फिर इन नेताजी ने कहा था, 'जो सरकार बनाने वाला हो, उसके साथ रहना चाहिए।' परसाई के इस आलेख में जैसे भविष्य के भारत का एक नक्शा दिख रहा था। सोच रहा था अगर परसाई जी आज होते तो इस लेख में क्या लिखते? वही सब लिखते जो दशकों पहले लिखा था। बस व्यक्तियों और पार्टियों के नाम बदल जाते। वही सब जो उन्होंने तब लिखा था, आज भी देश की राजनीति में हो रहा है। परसाई के नेताजी को तो फिर भी शर्म आती थी। वे नहीं चाहते थे कि सत्ता के लिए रोने-गिड़गिड़ाने वाला उनका चेहरा बाहर लोगों को दिखाई दे। पर सत्ता की राजनीति में लिप्त आज के नेता तो ऐसा कोई झीना-सा पर्दा भी नहीं चाहते। सारा खेल 'खुल्ला फर्रुखाबादी' है। दल-बदलने में किसी को जरा-सा भी संकोच नहीं होता। शर्म आने की बात तो बहुत बाद की है।

वैसे यह दलबदल वाली बात मुझे उत्तर प्रदेश के एक नेता जी के भाजपा के साथ जुड़ने की खबर से याद आयी। राजभर नाम है इन नेताजी का। कुछ अर्सा पहले भी वे भाजपा के एनडीए में थे। फिर उन्हें सत्ता में आने के ज्यादा अवसर अखिलेश यादव के दल में दिखे। वह समाजवादी दल में आ गये। बात बनी नहीं वहां। अब वे फिर भाजपा की शरण में आ गये हैं। सिद्धांतों की, मूल्यों की कोई बात नहीं। बात सिर्फ सत्ता की है, सत्ता से जुड़ने की है। शर्म न उन्हें आ रही है और न भाजपा को। महाराष्ट्र में भी ऐसा ही खेल चल रहा है तीन-चार साल पहले रात के अंधेरे में राष्ट्रवादी पार्टी के अजित पवार भाजपा के फड़नवीस से जाकर मिले और सुबह सूरज उगने के पहले ही राजभवन में जाकर दोनों ने सरकार बनाने की शपथ भी ले ली! पर कमाल यह नहीं था, कमाल तो यह था कि उपमुख्यमंत्री बनने के सिर्फ 72 घंटे बाद अजित पवार फिर अपने चाचा के दल में लौट आये।

इस नाटक की उपलब्धि यह थी कि सत्तर हजार करोड़ के घपले का उन पर लगाया गया आरोप वापस ले लिया गया था। ज्ञातव्य है कि इससे पहले भाजपा नेता फड़नवीस उन्हें जेल में चक्की पीसने की धमकी दे रहे थे। यह धमकी साथ मिलकर सरकार बनाने से पहले की थी। तीन साल बाद फिर महाराष्ट्र में भाजपा सत्ता में आयी तो अब फिर राष्ट्रवादी दल के नेता पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इस बार आरोप स्वयं देश के प्रधानमंत्री ने लगाया। आरोप लगाने के और अपराध की सजा देने की गारंटी देने के दो दिन बाद ही अजित पवार फिर भाजपा के साथ मिलकर सत्ता में पहुंच गये। शर्म इस सारे नाटक के किसी भी पात्र को नहीं आ रही। हमारा दुर्भाग्य यह है कि हमारे राजनेता किसी भी प्रकार की शर्म से स्वयं को उबरा हुआ मानने लगे हैं। गालिब की पंक्ति में थोड़ा परिवर्तन करके कहने का मन करता है- शर्म इनको मगर नहीं आती। यह शर्म तब भी नहीं आती थी, जब परसाईजी ने लिखा था, इस्तीफा मांगना उन नेताजी का सार्वजनिक मामला था, और सत्ता में हिस्सा मांगना 'प्राइवेट' है- 'बाहर वीर रस होता है, भीतर करुण रस'। सच बात तो यह है कि सिद्धांत और मूल्य-विहीन राजनीति के इस खेल में घाटा सिर्फ उस मतदाता का होता है, जो अपने वोट से सरकार बनवाता है। उसके बाद तो सब कुछ सरकार बनाने वाले के हाथ में चला जाता है। जनतंत्र को जनता का राज कहा जाता है। पर यह राज उसी क्षण का होता है जब मतदाता वोट दे रहा होता है। उसके बाद तो उसे यह पूछने का हक भी नहीं होता कि नेताजी मैंने तो आप की नीतियों, घोषणाओं और सिद्धांतों के लिए आपको वोट दिया था, और आप बिना कुछ पूछे ही चुपचाप उन नीतियों, घोषणाओं और सिद्धांतों के विरोधियों के साथ चले गये?

आये दिन हमारे राजनेता एक पार्टी से दूसरी पार्टी के पाले में आते-जाते दिखते हैं। और यह प्रवृत्ति किसी एक दल के नेताओं में नहीं है। सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। हमारी सारी राजनीति सत्ता का घटिया खेल बनकर रह गयी है और इस खेल में वास्तविक हार उस आम नागरिक की होती है जिसे जनता की जगह प्रजा बना कर रख दिया गया है।

निकल रहे हैं बच्चों के दांत तो हो जाइये सावधान

शिशु के पहली बार निकलने वाले दांत बेहद कष्टकारी होते हैं। इस दौरान उनके मसूड़ों में जलन, खुजली और बेतहाशा दर्द होता है। ऐसे में उनका रोना किसी भी माता-पिता को अच्छा नहीं लगता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, यदि आप पहले से ही कुछ जरूरी काम कर लेंगे तो दर्द को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हालांकि दर्द के समय डॉक्टर्स कैल्शियम और विटामिन डी-3 ही लेने की ही सलाह देते हैं। यदि आपके भी बच्चे में दांत निकलने वाले हैं तो एक्सपर्ट के बताएं कुछ तरीकों को जरूर फॉलो करें, ताकि बच्चे को दर्द से राहत मिल सके। आइए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कन्नौज के बाल रोग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कैलाश सोनी से जानते हैं वे काम, जो बच्चे के दांत निकलने से पहले ही कर लेने चाहिए।

नियमित मालिश करें

शिशु की मालिश करने से हड्डियों में मजबूती तो आती ही है, साथ ही दांत निकलने पर होने वाले दर्द से भी निजात दिलाया जा सकता है। इसके लिए जब भी बच्चे की मालिश करें तो शिशु के पैरों और सिर को हल्के हाथों से जरूर रगड़ें। ऐसा करने से बच्चे के शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। साथ ही शिशु को दर्द सहन करने की ताकत मिलती है। हालांकि बच्चे में कोई भी परेशानी होने पर डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

तरल चीजों का कराएं सेवन

छोटे बच्चों को तरल चीजों का सेवन कराना बेहद फायदेमंद माना जाता है। खासतौर पर दांत निकलते समय। इसके अलावा यदि संभव हो तो मां अपने दूध को निकाल कर फिज रखे, इसके उसी दूध को बोतल में भरकर बच्चे को पिलाए। ऐसा करने से बच्चे के मसूड़े में ठंडक का अहसास होगा, जिससे दर्द में भी राहत मिलेगी।

अच्छी नींद सोने दें

किसी भी शिशु के लिए अच्छी नींद बेहद जरूरी होती है। यदि किसी बच्चे में दांत निकल रहे हैं तो ऐसी स्थिति में उसे भरपूर नींद लेने देना चाहिए। क्योंकि दांत निकलते वक्त बच्चों को दर्द अधिक होता है। इसलिए यदि बच्चा सो रहा है तो उसे जबरन उठाने का प्रयास न करें। बता दें कि, शिशु जितना सोएगा दर्द उतना ही कम होगा।

शहद चटाएं

शिशु को शहद चटाने के कई लाभ होते हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ बच्चे के दांत निकलने के दौरान होता है। इसके लिए एक्सपर्ट बच्चे को दिन 2 बार शहद चटाने की सलाह देते हैं। यदि बच्चा शहद नहीं चाट रहा है तो मां दूध पिलाने से पहले शहद को अपने निप्पल पर लगा सकती है, जिससे शिशु दूध के साथ शहद भी खा लेगा। इसके साथ ही शहद से मसूढ़ों की मालिश भी की जा सकती है।

हंसना मना है

एक लड़की का फोन टॉयलेट में गिर गया। टॉयलेट से जिन्न प्रकट हुआ.. जिन्न ने लड़की को गोल्ड का फोन दिया और कहा ये लो तुम्हारा फोन, लड़की ने कुल्हाड़ वाली कहानी सुन रखी थी। इसलिए ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा- ये सोने का फोन मेरा नहीं है। जिन्न-पगली रुलाएगी क्या? धो के देख तेरा ही है।

राजू पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था, ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू- तो आपके पूरे पैसे वापिस।

पति - तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं, पत्नी - तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है, ऐसी जिंदगी पर।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

डॉक्टर- यह सब कैसे हुआ? घायल मरीज- एक लड़की ने मेरी टांग पर गाड़ी चढ़ा दी। डॉक्टर- सड़क से दूर, फुटपाथ पर चलना चाहिए था न घायल मरीज- मैं तो गार्डन में लेटा हुआ था।

कहानी | भूत का भय

उत्तर प्रदेश के एक पीरगढ़ गांव में अब्दुल व उसके कुछ दोस्त रहते थे। एक दिन ऐसे ही उन सभी के बीच भूत की बात छिड़ गई। इस दौरान अब्दुल ने बिना डरे कह दिया कि भूत जैसा कुछ नहीं होता। तभी सभी दोस्तों ने उससे कहा कि ऐसा है तो क्या तुम इस बात को साबित कर सकते हो कि तुम्हें भूत से डर नहीं लगता। उसने कह दिया, हां, बिल्कुल। गांव में इस दौरान ऐसी बातें चल रही थीं कि पास के ही श्मशान घाट में लोगों को भूत नजर आता है। तभी एक दोस्त ने कहा कि ठीक है, तो तुम रात को श्मशान घाट जाओ और वहां जाकर कील गाड़कर आ जाना। फिर सुबह सब मिलकर उस कील को देखकर आएंगे। इतना तय होने के बाद अब्दुल श्मशान घाट के लिए निकल गया। रात काफी काली थी, क्योंकि वो रात आमावस्या की थी। रास्ते में चलते हुए अब्दुल के दिमाग में भूत की बातें घूमने लगी। उसे डर भी लग रहा था, लेकिन दोस्तों के सामने हंसी होगी ऐसा सोचकर वो आगे बढ़ता रहा और श्मशान घाट पहुंच गया। वहां पहुंचते ही अब्दुल ने कील को गाड़ने के लिए जेब से हथौड़ी निकाली और कील को जमीन में धीरे-धीरे गाड़ने लगा। शोर ज्यादा न करने के चक्कर में अब्दुल काफी आराम से कील गाड़ रहा था। कुछ देर बाद उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। उसका पूरा शरीर ठंडा पड़ गया और वो बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा। तभी अब्दुल का पीछा करते हुए श्मशान पहुंचे उसके दोस्तों ने उसे उठाया और गांव लेकर आ गए। काफी देर तक जब अब्दुल को होश नहीं आया, तो उसपर पानी के छींटे मारे। उतने में ही अब्दुल को होश आ गया और उसने बताया कि वो कील श्मशान में गाड़ चुका था, लेकिन तभी कोई उसका कुर्ता खींचने लगा, जिससे वो डर गया। दोस्तों ने अब्दुल को बताया कि कोई उसका कुर्ता नहीं खींच रहा था। अब्दुल ने पूछा, तो क्या हुआ था? तब उसके दोस्तों ने बताया कि जिस कील को जमीन में वो गाड़ रहा था उसी के नीचे कुर्ता भी दब गया था। इसी वजह से उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। अपने डर की वजह से शर्मिंदा होते हुए अब्दुल ने अपने दोस्तों से माफी मांगी, लेकिन उसके सारे दोस्तों ने मिलकर उसकी हिम्मत की खूब तारीफ की।

कहानी से सीख-आप जितना डरेंगे, आपको डर उतना डराएगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज काफी चिंता मग्न रहेंगे और इसलिए आपके जीवन में निराशा और सुस्ती रहेगी लेकिन संध्या होते होते आपकी उर्जा वापस लौट आएगी और खर्चों में कमी होगी।

वृषभ

आज किए गए कामों से आपको फायदा होगा। घर पर अलग-अलग पकवान का आनंद उठाएंगे। किस्मत का साथ बना रहेगा। बाहर जाने से बचे, बेहतर रहेगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए सफलता के नए द्वार खोल सकता है। सुख के साधनों में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन से असंतुष्ट भी रह सकते हैं।

कर्क

आज आप अपने भाई बहनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अपने मित्रों को भी फोन पर अपने दिल का हाल सुनाएंगे। इससे आज का दिन बढ़िया बीतेगा।

सिंह

आज पारिवारिक जीवन सुखद बना रहेगा। जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा। अपने व्यक्तित्व के दम पर आप समाज के कुछ लोगों को भी अपने फेवर में कर लेंगे।

कन्या

घर में किसी से अनबन हो सकती है, वाणी पर संयम रखें। भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं।

तुला

आज आप अपने जीवन साथी के साथ बहुत समय बिताएंगे और रिश्ते में आ रही दूरियों को कम करने का प्रयास करेंगे। जीवनसाथी को खुशी होगी।

वृश्चिक

आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आप किसी भी तरह आज अपना काम पूरा कर लेंगे। परिवार के लोगों से आपको मदद भी मिलती रहेगी।

धनु

ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी है कि आपको मेहनत के मुकाबले कम फल मिलेगा। अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा।

मकर

आप आज धर्म-कर्म के कामों में लगेंगे। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। परिवार के छोटों को साथ लेकर कोई योजना बनाएंगे। नौकरी करने वालों के लिए दिन अच्छा है।

कुम्भ

आज पुरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप कोई ऐसा कामकरेंगे, जिससे आपकी तारीफ होगी। किसी भी नए ऑफर के लिए आप तैयार रहेंगे।

मीन

आज का दिन उन्नतिकारक और आय-संपत्ति के लिए शुभ हो सकता है। निराशा से बचें। आपके परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

कालकूट की शूटिंग के दौरान फूट-फूटकर रोई थी : श्वेता

श्वेता त्रिपाठी ने बताया कि कालकूट के लिए पहली बार एसिड अटैक का मेकअप करवाते वक्त वह इमोशनल हो गई। मेकअप टेस्ट के दौरान एक्ट्रेस ने एसिड अटैक सर्वाइवर के दर्द को दिल से महसूस कर पायी, जिसके चलते उनकी आंखों में आंसू आ गये। उस पल श्वेता यह सोचने से खुद को नहीं रोक सकी कि जिन लड़कियों पर एसिड अटैक होता है, वह वास्तविक जीवन में किन परेशानियों का सामना करती हैं। उनको हर पल कैसा महसूस होता होगा। घटना के बारे में बात करते हुए, श्वेता कहती हैं। जैसे-जैसे मैंने एक एसिड अटैक सर्वाइवर की भूमिका निभाई है। किरदार और नैरेटिव की गंभीरता हर गुजरते पल के साथ और अधिक बारीकी से समझ आती गई है। मेकअप टेस्ट के दौरान, खुद को सर्वाइवर के रूप में देखकर मैं उनके दर्द को दिल से महसूस कर पाई।

भावनाएं मुझ पर हावी हो गईं, और आंसू खुलकर बहने लगे। यह उनकी कहानियों के साथ न्याय करने और उनके अनुभवों को सामने लाने की हमारी ज़िम्मेदारी की याद दिलाता है। उन्होंने समर्थन और धैर्य के लिए अपनी टीम को धन्यवाद दिया। श्वेता ने आगे कहा, मैं पूरी टीम के अटूट धैर्य, समर्थन और मुझ पर विश्वास के लिए उनकी दिल से सराहना करना चाहूंगी। यह आपका समर्पण और मेरी क्षमताओं में विश्वास है जिसने मुझे इस किरदार की गहराई में जानने और उनकी कहानी को जीवंत करने का मौका दिया।

कालकूट जियोसिनेमा पर आने वाली एक क्राइम ड्रामा टीवी सीरीज है। इसमें विजय वर्मा, श्वेता त्रिपाठी, सीमा बिस्वास, यशपाल शर्मा, गोपाल दत्त और सुजाना मुखर्जी हैं। यह शो एक प्रेरित पुलिस अधिकारी के जीवन पर केंद्रित है जो एक एसिड हमले के मामले को सुलझाने का प्रयास करते हुए अपने काम और पारिवारिक प्रतिबद्धताओं का मैनेज करता है।

शाहिद के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

शाहिद कपूर ने वेब सीरीज फर्जी से अपना धमाकादार ओटीटी डेब्यू कर लिया है। इस सीरीज को दर्शकों का खूब प्यार मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जल्द ही इसका दूसरा सीजन दर्शकों का मनोरंजन करेगा। वहीं शाहिद कपूर अनीस बज्मी के डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म में भी दिखेंगे। अनीस-शाहिद की आने वाली इस मूवी को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, शाहिद कपूर और अनीस बज्मी की आने वाली फिल्म का नाम एक साथ दो दो होने वाला है। टाइटल फिल्म में शाहिद के डबल रोल पर आधारित है। वहीं, इस प्रोजेक्ट में एक्टर के अपोजिट साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के नजर आ सकती हैं। टाइटल की खास बात यह है कि इसे 1.7.22 के रूप में भी पढ़ सकते है, जिसका कहानी में अहम रोल है।

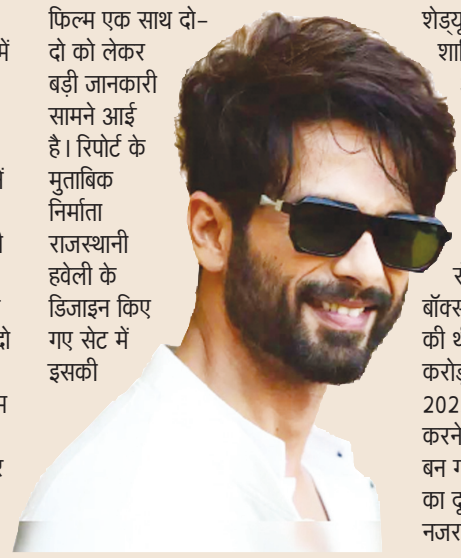

फिल्म एक साथ दो-दो को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक निर्माता राजस्थानी हवेली के डिजाइन किए गए सेट में इसकी शूटिंग जल्द शुरू करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का एक हिस्सा राजस्थानी गांव पर बेस्ड है। मानसून के बाद टीम एक व्यापक कार्यक्रम के लिए वहां जाएगी। दूसरे शेड्यूल के बाद रश्मिका यूनिट में शामिल हो जाएंगी।

अनीस बज्मी के डायरेक्शन में बनीं आखिरी फिल्म वर्ष 2022 की हॉरर-कॉमेडी भूल भुलैया 2 थी, जिसमें कार्तिक आर्यन, तब्बू और कियारा आडवाणी जैसे सितारे लीड रोल में दिखे थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। इसने लगभग 266.88 करोड़ की कमाई की, जो वर्ष 2022 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई थी। जल्द ही फिल्म का दूसरा पार्ट नजर आएगा।

बॉलीवुड | मसाला

IFFM 2023: आस्ट्रेलिया में पुरस्कृत होंगे कार्तिक

खुद को भारतीय सिनेमा का राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार कहलाने की अभिनेता कार्तिक आर्यन की ख्वाहिश आखिरकार पूरी होने जा रही है। अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के शहर मेलबर्न में होने जा रहे भारतीय फिल्म महोत्सव में ये पुरस्कार उन्हें दिए जाने का एलान सोमवार को कर दिया गया। दिलचस्प बात ये है कि अब से पहले ये पुरस्कार किसी दूसरे कलाकार को इस फिल्म समारोह के आयोजकों ने कभी नहीं दिया है। इस बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि पुरस्कार की ये श्रेणी खास इसी साल शुरू हो रही है, कार्यिक आर्यन के लिए।

कार्तिक आर्यन हिंदी सिनेमा की खान सितारों के बाद आई ऋतिक रोशन के दौर की पीढ़ी के बाद की पीढ़ी के पहले सितारे हैं, जिनके आगे पीछे हिंदी सिनेमा नाच रहा है। 'अलु वैकुंठपुरमलू' की हिंदी रीमेक 'शहजादा' के समय कार्तिक ने अपना रौला पहली बार दिखाया था। 'भूल भुलैया 2' सुपरहिट हो चुकी थी और इसका फायदा उठाने के लिए फिल्म 'अलु वैकुंठपुरमलू' के हिंदी डबिंग अधिकार रखने वाले एक निर्माता ने इस फिल्म का डब वर्जन रिलीज करने का एलान कर दिया। तब कार्तिक आर्यन ने साफ कह दिया था कि अगर फिल्म का हिंदी डब वर्जन रिलीज हुआ तो वह फिल्म 'शहजादा' की शूटिंग नहीं करेंगे। इसके बाद वही हुआ जैसा कार्तिक चाहते थे।

अजब-गजब | आज तक कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

रात में नीला हो जाता है इस झील का पानी

पूरी दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है, दुनियाभर के वैज्ञानिक भी इन रहस्यों के बारे में आज तक पता नहीं लगा पाए। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक झील में छिपा हुआ है। इस झील का रहस्य ये हैं कि ये झील रात के वक्त किसी नीले रंग के पत्थर की तरह चमकने लगती है। इसीलिए इस झील को दुनिया की सबसे रहस्यमयी झील के नाम से जाना जाता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं इंडोनेशिया की कावाह इजेन नाम की झील के बारे में।

ये झील इंडोनेशिया की सबसे अधिक अम्लीय यानी खारे पानी की झील भी है। इस झील की सबसे बड़ी खासियत ये है कि दिन में तो ये बिल्कुल अन्य झीलों की तरह ही दिखाई देती है लेकिन रात के वक्त इसका पानी बिल्कुल नीले रंग का हो जाता है। तब ऐसा महसूस होता है कि ये कोई नीले रंग का पत्थर हो। बता दें कि इस झील के पानी का तापमान हमेशा 200 डिग्री सेल्सियस तब गर्म रहता है। यानी इसमें अगर कोई जीव गिर जाए तो कुछ ही सेकंड में इसका मांस भाग बन गए उड़ जाएगा। इस झील में सबसे अधिक रहस्यमयी बात इसका रंग है।

रात में इस झील का पानी नीले पत्थर की तरह चमकता है। प्रशांत महासागर के किनारे स्थित इस झील का नाम कावाह इजेन है। इस झील का पानी हमेशा खौलता रहता है। जैसे इसके नीचे किसी ने

भट्टी जला रखी हो। इस वजह से झील के आसपास कोई आबादी नहीं रहती है। हालांकि, इस झील की कई बार सैटेलाइट इमेज जारी हो चुकी है, जिसमें रात के समय झील के पानी से नीली-हरी रोशनी निकलती दिखती है। सालों के रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने इस झील से निकलने वाली रंगीन रोशनी की वजहों का पता नहीं लगाया जा सका।

झील के आसपास कई सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद हैं, जिसके कारण झील से हाइड्रोजन क्लोराइड, सल्फ्यूरिक डाइऑक्साइड जैसी कई तरह की गैसें भी निकलती रहती हैं। ये सभी गैसें आपस में मिलकर प्रतिक्रिया करती हैं, जिससे नीला रंग पैदा होता है। बता दें कि कावाह इजेन झील इतनी खतरनाक है कि इसके आसपास वैज्ञानिक भी लंबे समय तक रहने की हिम्मत नहीं कर सकते हैं। एक बार झील की अम्लीयता जांचने के लिए अमेरिकी वैज्ञानिकों की एक टीम ने तेजाब से भरे इस पानी में एलुमीनियम की मोटी चादर को लगभग 20 मिनट के लिए डाला था। इस चादर को निकालने के बाद देखा गया कि चादर की मोटाई पारदर्शी कपड़े जितनी रह गई थी। ज्वालामुखी के असर से अम्लीय झील कावाह इजेन के अलावा एक नदी भी है, जिसे अम्लीयता के कारण काफी घातक माना जाता है। पेरू से जुड़े हुए अमेजन फॉरेस्ट में बहती इस नदी को दुनिया की सबसे बड़ी थर्मल रिवर भी कहा जाता है।

यहां सैलरी मिलती है लाखों-करोड़ों में! फिर भी काम करने नहीं जाता कोई

हम जिस देश की बात कर रहे हैं, वो है ऑस्ट्रेलिया। पिछले दो साल से ये देश सुर्खियों में बना रहता है क्योंकि यहां काम के लिए एक से बढ़कर एक बेहतरीन ऑफर्स दिए जाते हैं। बावजूद इसके इन पदों पर काम करने वाले नहीं मिलते। कुछ महीने पहले यहां एक डॉक्टर की जॉब के लिए करोड़ों की सैलरी और फ्री का घर दिया जा रहा था, फिर भी कोई इसके लिए तैयार नहीं हुआ। ऐसा नहीं है कि सिर्फ पढ़े-लिखे लोगों की नौकरियों में ही करोड़ों ऑफर हो रहे हैं। यहां खादान में काम करने वाले खनिकों और ऑयल मानइनिंग की इंडस्ट्री में भी बढ़िया सैलरी दी जा रही है। इसके लिए 6 महीने से 12 महीने तक का कॉन्ट्रैक्ट होता है और सैलरी यहां भी आराम से 50-60 लाख रुपये होती है। साल 2022 में ऑस्ट्रेलिया की सरकारी कमीशन रिपोर्ट में बताया गया था कि देश में स्किल शॉर्टेज काफी ज्यादा हो चुकी है। साल 2021 से ही ये बढ़ती जा रही है और देश के अंदर हजारों नौकरियां खाली पड़ी हैं। सरकारी मंत्री दूसरे देशों में जाकर लोगों को यहां काम करने का ऑफर दे रही है और इसकी अच्छाइयां गिना रही है। ऑस्ट्रेलिया में हेल्थकेयर विभाग में हजारों नौकरियां खाली हैं। खासतौर पर नर्स, असिस्टेंट और डॉक्टर भी यहां नहीं मिलते। इतना ही नहीं सॉफ्टवेयर और एप्लिकेशन प्रोग्रामर के साथ-साथ कंस्ट्रक्शन मैनेजर यानि ठेकेदारों की भी ज़रूरत यहां है, लेकिन वो भी नहीं मिलते। ऐसे में सरकार की ओर से इमिग्रेशन पॉलिसी में भी बदला किया जा रहा है, ताकि बाहर से लोग यहां आएं। यहां स्किल शॉर्टेज की वजह ये है कि लोग ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने तो जाते हैं लेकिन कोई वहां टिकना नहीं चाहता। हालांकि ये देश काफी खूबसूरत है, लेकिन लोग इसे अपना घर नहीं बनाना चाहते। एक सच ये भी है कि स्ट्रिक्ट बॉर्डर रूल्स और वीज़ा रूल की वजह से लाखों लोगों के वीजा एप्लिकेशन लटके रह जाते हैं। हालांकि एक बार कोई यहां पहुंच जाए तो ट्रक ड्राइविंग करके भी 50-60 लाख कमाया जा सकता है, ऐसा यहां रहने वाली एक ट्रक ड्राइवर एशली का कहना है।

एमपी के बाद अब यूपी में इंसानियत हुई शर्मसार

युवक को दबंगों ने पीटा, मुंह पर किया पेशाब

» कहां है पुलिस का खौफ - पीड़ित से पैर पकड़वाए, वीडियो भी बनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। मध्य प्रदेश में हुए पेशाबकांड की खबरें अभी थमीं नहीं थी कि अब ऐसी ही घटना उत्तर प्रदेश के आगरा में हुइ है। योगी सरकार की पुलिस को आइना दिखाते हुए इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना का दबंगों ने वीडियो भी वायरल किया है। इतना ही नही दबंगों ने युवक को पीटकर लहूलुहान भी किया। इसके बाद एक ने उसके मुंह पर पेशाब किया। वीडियो भी बनाया। वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई।

पुलिस ने अपनी ओर से केस दर्ज कर आरोपी आदित्य इंदौलिया उर्फ आदी और उसके साथी भोला उर्फ भोलू को गिरफ्तार किया। दो ओर वीडियो वायरल हुए हैं, जिसमें वो एक में फायरिंग और दूसरे में एक युवक से पैर छुवाता नजर आ रहा है। फायरिंग में दबंग को जेल भी भेजा गया था। पेशाब करते हुए 30 सेकंड का वीडियो रोंगटे खड़े कर देने वाला है। वीडियो में दिखा कि लहूलुहान युवक जमीन पर अचेत पड़ा है। उसके सिर से खून निकल रहा है। तीन-चार युवक पास ही खड़े हैं। एक का ही चेहरा नजर आ रहा है। बाकी की आवाज सुनाई दे रही है। वो गाली भी दे रहे हैं। कहते हैं कि कर दे पेशाब, गाली भी देते हैं। दबंग मुंह पर पेशाब करता है। घायल युवक पलटता है तो पास ही खड़े युवक उसे पैर से सीधा कर देते हैं। इससे पेशाब सीधे उसके मुंह में जाता है।

पुलिस ने बनाई टीम एक आरोपी गिरफ्तार

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस आयुक्त डॉ. प्रीतिंदर सिंह ने पुलिस टीम को लगाया। आरोपी की पहचान गांव पुरामना, किरावली निवासी आदित्य इंदौलिया उर्फ आदी के रूप में हो गई। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि आरोपी आदित्य को उसके साथी पाली सदर निवासी भोला उर्फ भोलू के साथ गिरफ्तार किया गया है। वीडियो सिकंदरा के गांव अटूस का है। दो महीने पुराना है। पीड़ित शख्स उदेरा का विक्रम उर्फ विक्की है। उसने शिकायत नहीं की है। इस पर पुलिस ने अपनी ओर से हत्या के प्रयास सहित अन्य धारा में केस दर्ज किया। विक्की के खिलाफ भी चोरी और लूट के 6 मामले दर्ज हैं। आदित्य को फायरिंग के मामले में जनवरी में जेल भेजा गया था। वह जमानत पर बाहर आया था। आदित्य के खिलाफ 18 जुलाई को सिकंदरा स्थित एनडी रेस्तरां में तोड़फोड़ और मारपीट का केस दर्ज किया गया था।

तीन वीडियो हुए वायरल

वीडियो-1: वीडियो 3 जनवरी का है। यह किरावली का है। 25 सेकंड के वीडियो में दो युवक बाइक पर बैठे नजर आ रहे हैं। पीछे बैठा आदित्य बाइक से उतरता है। आगे वाला वीडियो बना रहा है। आसपास काफी लोग खड़े हैं। रास्ते से लोग गुजर भी रहे हैं। आदित्य फायर करता है। जनवरी में पुलिस ने वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर केस दर्ज किया था। आरोपी आदित्य को जेल भेजा था।

वीडियो-2: वीडियो 30 सेकंड का है। लहूलुहान युवक जमीन पर पड़ा है। तीन युवक खड़े हैं। एक युवक वीडियो बना रहा है। तीन युवक में से एक पेशाब कर रहा है। सभी गालीगलौज भी कर रहे हैं।

वीडियो-3: नौ सेकंड के वीडियो में दो युवक नजर आ रहे हैं। तीसरा वीडियो बना रहा है। इसमें आदित्य नजर आ रहा है। दूसरा युवक नंगे पैर है। आदित्य उससे पैर छुवाता है। जान से मारने की धमकी देता है। वीडियो सिंकदरा-बोदला रोड स्थित फ्लाईओवर का बताया गया है। एक महीने पहले बनाया गया था। युवक ने कोई शिकायत नहीं की।

नगर निगम के वाहनों से डीजल चोरी पकड़ी

जीपीएस ट्रैकिंग को भी चोरों ने भेदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जीपीएस ट्रैकिंग, कैमरे से निगरानी से लेकर सारे जतन करने के बाद भी नगरनिगम की गाड़ियों से डीजल चोरी करने की घटनाएं कम नहीं हो रही है। इसबार नगर निगम ने रिवर फ्रंट की तरफ गाड़ियों से डीजल चोरी करते पकड़ा है। जानकारी के अनुसार नगर निगम के कुछ वाहन चालकयूपी-32 एनएन-2279 से डीजल निकाल रहा था। यह पूरा खेल रिवर फ्रंट की तरफ हो रहा था। इससे पहले भी इस तरह चोरी में चालकों को पकड़ा गया है। इसके बाद नगर निगम प्रशासन की ओर से डीजल चोरी पर लगाम लगाने के लिए कई योजनाएं लाई गईं। जिसमें जीपीएस ट्रैकिंग, डीजल खपत ट्रैकिंग जैसी व्यवस्था शामिल है। पर सारी व्यवस्था को चोरों ने चूना लगा दी। वहीं नगर आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि आरआर विभाग से निकलने वाली हर एक गाड़ी की प्रतिदिन डीजल खपत की जांच की जाए।

मानसून फिर सक्रिय होने का अनुमान

» राज्य में अलर्ट, बाढ़ से निपटने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ के मद्देनजर अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि मौसम विभाग की ओर से राज्य में मानसून के पुन: सक्रिय होने की जानकारी दी गयी है। पूरे राज्य अलर्ट कर दिया गया है।

वहीं सीमावर्ती राज्यों द्वारा बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश की विभिन्न नदियों के जलस्तर में वृद्धि हुई है। ऐसे में राज्य के विभिन्न जिलों में संभावित बाढ़ के दृष्टिगत राहत और बचाव के व्यापक प्रबंध किए जाएं। सीएम ने कहा है कि राहत शिविरों को दुरुस्त किया जाए वहां प्रकाश आदि का पर्याप्त प्रबंध हो। आपदा कंट्रोल रूम को चौबीस घण्टे सक्रिय रखा जाए। समस्त अतिसंवेदनशील तटबन्धों पर प्रभारी अधिकारी, सहायक अभियन्ता स्तर के नामित किए जा चुके हैं, वे चौबीस घंटे अलर्ट मोड में रहें। लगातार पेट्रोलिंग करके तटबन्धों का निरीक्षण एवं सतत निगरानी की जाए।

विस के काम में दखलंदाजी कर रहे एलजी : रामनिवास

» डिजिटलीकरण प्रोजेक्ट को लेकर आरोप-प्रत्यारोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के बाद अब दिल्ली विधानसभा और उपराज्यपाल सचिवालय के बीच ठन गई है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल सचिवालय अधिकारियों के माध्यम से विधानसभा के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहा है।

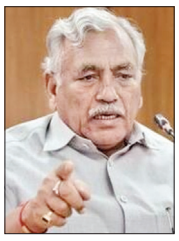

उपराज्यपाल सचिवालय ने केंद्र सरकार के पूर्ण सहयोग और फंडिंग के बावजूद भी विधानसभा को कागज रहित नहीं करने और इसके डिजिटलीकरण के प्रयासों में देरी होने का दावा किया है, जबकि उसका दावा पूरी तरह से गलत और तथ्यों के विपरीत है। रामनिवास गोयल ने बताया कि विधानसभा के डिजिटलीकरण प्रोजेक्ट की प्रक्रि या वर्ष 2015 में शुरू की थी। विधानसभा की सामान्य प्रयोजन समिति की एक उपसमिति ने 8 अक्टूबर 2015 को ई-विधान को लागू करने का अध्ययन करने के लिए हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। इसके बाद विधानसभा सचिवालय ने अपनी एक विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट 16 अक्टूबर 2015 को केंद्रीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भेजी।

मगर वर्ष 2018 में यह प्रोजेक्ट केंद्रीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से संसदीय कार्य मंत्रालय को सौंप दिया। इसके बाद 26 फवरी 2018 को एक संशोधित प्रोजेक्ट रिपोर्ट संसदीय कार्य मंत्रालय को सौंप दी गई और तीन साल की कवायद के बावजूद केन्द्र सरकार ने दिल्ली विधान सभा को ई-विधान प्रोजेक्ट चालू करने के लिए इजाजत नहीं दी। उन्होंने बताया कि विधानसभाओं को फंड जारी करने में हो रही देरी को देखते हुए दिल्ली विधानसभा की सामान्य प्रयोजन समिति ने पांच नवम्बर 2018 को सिफारिश की कि डिजिटलीकरण को हमारे अपने सोर्सेज से लागू किया जाना चाहिए।

रोहित-यशस्वी ने लगाई कीर्तिमानों की झड़ी

» दोनों टेस्ट के पहली इनिंग्स में लगातार सर्वाधिक पार्टनरशिप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पोर्ऑ आफ स्पेन। भारत व वेस्टइंडीज के मैच में रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट सीरीज में नया रिकॉर्ड कायम किया है। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने लगातार टेस्ट मैच की दोनों इनिंग्स में सर्वाधिक पार्टनरशिप की है। दोनों खिलाडियों ने ये शानदार उपलब्धि दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन हासिल की है। मैच की पहली पार्टनरशिप में दोनों ने 139 रन बनाए थे।

वहीं दूसरी पार्टनरशिप में दोनों ने 98 रन बनाए है। बता दें कि पहले टेस्ट मैच में रोहित और यशस्वी ने पहली और दूसरी पारी को मिलाकर 229 रनों की पार्टनरशिप की थी। वहीं दो मैचों की टेस्ट सीरीज में दोनों ने 466 रनों की पार्टनरशिप की है। इसी के साथ दोनों ने नया रिकॉर्ड स्थापित किया है।

भारत ने बनाये टेस्ट में सबसे तेज 100 रन

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज 100 रन बनाने का रिकॉर्ड भी भारतीय टीम के पास आ गया है। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने (57 रन, 44 गेंद, 5 फोर, 3 सिक्स) और यशस्वी जायसवाल (38 रन, 30 गेंद, 4 फोर, 1 सिक्स) की पारी खेली। मैच के दर्शकों को टेस्ट मैच में टी-20 का मजा मिला। इस मैच में रोहित शर्मा ने सिर्फ 35 गेंदों में ही अपना अर्धशतक पूरा किया। इस मैच में रोहित शर्मा और यशस्वी ने 12.2 ओवर में 100 रन बनाए, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज 100 रन थे। इस मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 24 ओवर में ही 181 रन बनाए।रोहित और यशस्वी ने दूसरी पारी में 28 गेंदों में 50 रन जोड़े। पहले विकेट के लिए ये भारतीय टीम में सबसे तेज साझेदारी है। रोहित ने टेस्ट मैच में लगातार 30वीं बार दहाई का आंकड़ा छूकर महेला जयवर्धने का रिकॉर्ड तोड़ा। महेला जयवर्धने 29 बार 10 से अधिक रन टेस्ट क्रिकेट में बना चुके है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ किसी भारतीय ओपनिंग जोड़ी द्वारा बनाए गए ये सर्वाधिक रन है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच जारी टेस्ट मैच में रोहित ब्रिगेड ने अपनी दूसरी पारी में तेजी से रन बनाए है। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में दो विकेट के नुकसान पर 181 रन बना कर पारी घोषित कर दी है। इस दौरान इशान किशन ने ऋषभ पंत के बल्ले से धमाकेदार अर्धशतक भी जड़ा। मैच को बारिश के कारण बीच में रोकना भी पड़ा था। अब मेजबान टीम को 365 रनों का लक्ष्य मिला है, जिसमें दो विकेट खोकर टीम 76 रन बना चुकी है। इस मैच में भारत ने शानदार रिकॉर्ड भी बनाया है।

ये है यूपी का रामराज्य : रोता रहा बाप, नहीं पसीजा अफसरों का दिल

जीएसटी अधिकारियों की करतूत : ट्रक ड्राइवर को पकड़कर ली घूस, बेटे के मरने की बात बताने पर भी नहीं सुनी, प्रताड़ना के बाद हार्ट अटैक से खुद की जान गंवाई, परिवार वालों ने कराई एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लुधियाना के रहने वाले ट्रक ड्राइवर बलबीर सिंह को पता नही था कि यूपी में इतना रामराज्य आ गया है कि अफसर सड़क पर भी लूट मचाने लगे है। वे स्क्रैप ट्रक में लोड करके पंजाब जा रहे थे। रास्ते में ही फ़ोन आया कि उनके बेटे की करंट लगने से मौत हो गयी है । इसी बीच जीएसटी के अफसरों ने उनको पकड़ लिया और दफ्तर ले गये।

दफ्तर पर ले जाकर यह अफसर कैसे वसूली करते है यह पूरा यूपी जानता है। बलबीर सिंह पैर पकड़ते रहे। अपना सर अफसरों के पैरों पर रख दिया कि बच्चा मर गया है जाने दो पर अफसरों ने नहीं सुनी। थोड़ी देर बाद बलबीर की भी मौत हार्ट

अटैक से हो गयी। लुधियाना से आये परिजनों ने व्यापारियों के साथ मिलकर बलबीर की लाश रखकर हंगामा काटा तब अफसरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज हुआ। यूपी के किसी भी विभाग की पड़ताल कर लीजिये। यहाँ रिश्वत का रेट अफसरों ने बहुत बढ़ा दिया है।

रालोद ने सीएम को लिखा पत्र

उधर इस घटना की जानकारी मिलने के बाद राष्ट्रीय लोक दल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होनें जीएसटी डिपार्टमेंट द्वारा ट्रक ड्राइवर के साथ अमानवीय व्यवहार का संज्ञान लेकर कार्यवाही करने की मांग मुख्यमंत्री से की है। उन्होंने कहा इससे पहले भी

राष्ट्रीय लोकदल, उत्तर प्रदेश
9-बी, त्रिलोकीनाथ मार्ग, लखनऊ, फोन : 0522-2289678
E-mail : rashtriyalokdal2000@gmail.com

रोहित अग्रवाल
प्रदेश अध्यक्ष (व्यापार)

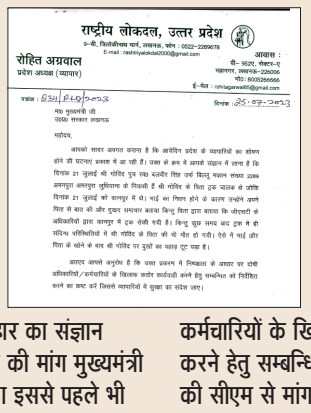

आवास :
बी- 952ए, सेक्टर-ए
महानगर, लखनऊ-226006
मो0 : 8005266666
ई-मेल : rohitagarwal85@gmail.com

पत्रांक : 834/RLD/2023 दिनांक : 25.07.2023

मा0 मुख्यमंत्री जी
उ0प्र0 सरकार लखनऊ

महोदय,

आपको सादर अवगत कराना है कि आयेदिन प्रदेश के व्यापारियों का शोषण होने की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। उक्त के क्रम में आपके संज्ञान में लाना है कि दिनांक 21 जुलाई श्री गोविंद पुत्र स्व0 बलवीर सिंह उर्फ बिल्लू मकान संख्या 2289 अमनपुरा अमरपुरा लुधियाना के निवासी हैं श्री गोविंद के पिता ट्रक चालक थे जोकि दिनांक 21 जुलाई को कानपुर में थे। भाई का निधन होने के कारण उन्होंने अपने पिता से बात की और दुखद समाचार बताया किन्तु पिता द्वारा बताया कि जीएसटी के अधिकारियों द्वारा कानपुर में ट्रक रोकी गयी है। किन्तु कुछ समय बाद ट्रक में ही संदिग्ध परिस्थितियों में श्री गोविंद के पिता की भी मौत हो गयी। ऐसे में भाई और पिता के खोने के बाद श्री गोविंद पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

अतएव आपसे अनुरोध है कि उक्त प्रकरण में निष्पक्षता के आधार पर दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें जिससे व्यापारियों में सुरक्षा का संदेश जाए।

प्रदेश में विभाग द्वारा ज्यादती होती रही है। इसके लिए व्यापारियों ने शासन के बड़े अधिकारियों तक कई बार शिकायत कर पर कोई सुनवाई नही हुई। उन्होंने उक्त प्रकरण में निष्पक्षता के आधार पर दोषी अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने की सीएम से मांग की है।

लुधियाना का रहने वाला था ड्राइवर

ट्रक ड्राईवर स्व बलवीर सिंह उर्फ बिल्लू पुत्र गोविंद ने अपने पिता की हत्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिय। ट्रक ड्राइवर लुधियाना के मकान संख्या 2289 अमनपुरा अमरपुरा के रहने वाले थे। गोविंद के पिता ट्रक चालक थे जोकि दिनाक 21 जुलाई को कानपुर में थे। लुधियाना में ट्रक ड्राइवर के पुत्र की मौत हो गई थी। ड्राइवर के दूसरे पुत्र ने भाई की निधन का दुखद समाचार बताने के लिए पिता को फोन किया तो जानकारी प्राप्त हुई जीएसटी विभाग द्वारा कानपुर में ट्रक रोकी गयी है। किन्तु जब दोबारा जानकारी ली तो कुछ समय बाद ट्रक में ही संदिग्ध परिस्थितियों में पिता की भी मौत की सूचना प्राप्त हुई। ऐसे में भाई और पिता के खोने के बाद गोविंद पर दुखों का पास टूट पड़ा है।

आईआरसीटीसी की साइट व एप ठप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) की सेवाएं ठप हो गई हैं। आईआरसीटीसी की वेबसाइट आज यानी 25 जुलाई की सुबह करीब बजे से ठप है जिससे यूजर्स को काफी परेशानी हो रही है, क्योंकि तत्काल टिकट की बुकिंग का भी यही समय है। आईआरसीटीसी की वेबसाइट की तरह ही आईआरसीटीसी का एप भी ठप पड़ा है।

आईआरसीटीसीकी वेबसाइट पर मैसेज आ रहा है कि मेंटनेंस के कारण साइट की सेवा बंद है।आईआरसीटीसी की साइट पर विजिट करने के बाद मैसेज आ रहा है कि मेंटनेंस के कारण ई-टिकटिंग सेवा उपलब्ध नहीं है। बाद में कोशिश करें। रद्दीकरण/फाइल टीडीआर के लिए, कृपया ग्राहक सेवा नंबर पर कॉल करें। 14646,0755-6610661 और 0755-4090600 या etickets@irctc.co.in पर मेल करें। एप ओपन करने पर मैसेज मिल रहा है कि रिक्वेस्ट को प्रोसेस नहीं किया जा सकता है, कृपया कुछ समय बाद कोशिश करें।

गीतिका शर्मा सुसाइड केस में गोपाल कांडा बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एयर होस्टेस गीतिका शर्मा की आत्महत्या मामले में आरोपित और हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल गोयल कांडा और अरुणा चढ्डा को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया है। बरी होने के बाद गोपाल कांडा ने कहा, मेरे खिलाफ कोई सबूत नहीं था। ये केस मेरे खिलाफ बनाया गया था और आज कोर्ट ने फैसला सुना दिया है।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विकास ढुल ने मामले में निर्णय सुनाया। कोर्ट का विस्तृत आदेश अभी नहीं आया है। गीतिका कांडा की एविएशन कंपनी एमडीएलआर एयरलाइंस में काम करती थीं और बाद में उन्हें कांडा के गुरुग्राम स्थित कॉरपोरेट ऑफिस का निदेशक बना दिया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पांच अगस्त 2012 में एमडीएलआर एयरलाइंस की पूर्व निदेशक गीतिका ने अपने अशोक विहार स्थित घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

घर पर गीतिका ने लगाई थी फांसी

राजधानी दिल्ली में 5 अगस्त 2012 को 23 साल की गीतिका शर्मा ने सुसाइड कर लिया था। गीतिका ने फांसी के फंदे पर झूलकर जान दे दी थी। गीतिका एमडीएलआर एयरलाइंस की पूर्व डायरेक्टर थी। बता दें कि यह एयरलाइंस अब बंद हो चुकी है। गीतिका ने आत्महत्या करने से पहले सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें पूर्व मंत्री गोपाल कांडा पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। एयर होस्टेस गीतिका शर्मा के सुसाइड नोट में लिखा था कि पूर्व मंत्री गोपाल कांडा एक फ्रॉड था और वह हमेशा लड़कियों पर गंदी नजर रखता था। सुसाइड नोट में गीतिका ने लिखा, गोपाल कांडा आदतों से लड़कियां प्रताड़ित होती हैं। गोपाल कांडा हमेशा लड़कियों की ही ताक में रहता था। मैंने अपनी जिंदगी में उससे बेशर्म इंसान नहीं देखा। वो हमेशा झूठ बोलता है। गीतिका ने कांडा पर यौन शोषण और उत्पीड़न के आरोप भी लगाए थे। अदालत ने कांडा पर आईपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 506 (आपराधिक धमकी), 201 (साक्ष्य नष्ट करना), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 466 (जालसाजी) के तहत आरोप तय किया था।

मणिपुर में अभी भी नहीं थम रही हिंसा

वायरल वीडियो के मामले में पुलिस ने की सातवीं गिरफ्तारी, एक नाबालिग भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने के मामले में पुलिस ने सातवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, अब पुलिस सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिख रहे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी जगह-जगह तलाशी अभियान चला रही है, इस घटना को लेकर अभी तक पुलिस ने कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है, पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य आरोपियों तक पहुंचने के प्रयास में लगी है।

हालांकि अब भी वहां पर हिंसा रुक नहीं रही है। पुलिस हालात को काबू में करने का प्रयास कर रही है। ज्ञात हो कि महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने का यह वीडियो चार मई का बताया जा रहा है, इस वीडियो को कुछ समय पहले ही सोशल मीडिया पर साझा भी किया गया था. जिसके बाद इसके विरोध में पूरे मणिपुर में विरोध प्रदर्शन का दौर शुरू हो गया। इस वीडियो के सामने आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

से लेकर पूरे विपक्ष ने कड़ी आलोचना की थी। मणिपुर वीडियो मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए बीते गुरुवार को केंद्र और मणिपुर सरकार से अपराधियों को जवाबदेह ठहराने के लिए उठाए गए कदमों के संबंध में अदालत को अवगत कराने को कहा था।

म्यांमार के 718 अवैध लोग घुसे : गृह मंत्रालय

मणिपुर में अभी भी शाति बहाल नही हो पा रही और उधर म्यांमार के लोगों के आने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। सीमा पर कड़ी चौकसी के बावजूद पिछले हफ्ते ही 718 म्यांमारी नागरिक मणिपुर में अवैध तरीके से घुस गए। इनमें 301 बच्चे भी शामिल हैं। गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, 22 और 23 जुलाई को म्यांमार सीमा से सबसे ज्यादा लोग मणिपुर के चंदेल जिले में घुसे। इसकी जानकारी सीमा की निगरानी कर रहे असम राइफल्स की ओर से दी गई। गृह मंत्रालय ने असम राइफल्स से पूछा है कि कैसे म्यांमारी नागरिकों को बिना वैध यात्री दस्तावेजों के भारत में घुसने दिया गया। उन्होंने असम राइफल्स को ऐसी किसी भी घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए कहा है। जोशी ने एक बयान में कहा, ''मुख्यालय 28 सेक्टर असम राइफल्स से रिपोर्ट मिली है कि 718 शरणार्थी भारत-म्यांमार सीमा को पार कर न्यू लाजांग के आम क्षेत्र में घुस आए हैं। म्यांमार के इन 718 नागरिकों में 209 पुरुष, 208 महिलाएं और 301 बच्चे शामिल हैं। इससे पहले, म्यांमा के 13 नागरिकों ने 22 जुलाई को लाजांग इलाके में प्रवेश किया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।